

金 风 玉 露

苏恪 镜千 作词
陈 致 逸 作曲
桃李醉春风 记谱

1 = $\flat E$ $\frac{4}{4}$
♩ = 82

演唱：流浪的蛙蛙 玄觞

0 5̣ 6̣ 1̣ 6̣ 1̣ 3̣ ||: 3̣ 2̣. 0 0 | 0 2̣ 3̣ 5̣ 3̣ 2̣ 1̣ | 2̣ 3̣ 3 - 0 |
(男)不与往事话沧 桑, 平生虽漂泊无 处安放,
长, 双眸秋水穿过 了诗行,

0 2̣ 3̣ 5̣ 6̣ 2̣ 1̣ | 2̣. 2̣ 1̣ 6̣. | 0 2̣ 3̣ 5̣ 3̣ 2̣ 1̣ | 1 - 0 0 |
时光无声却念 念回 响, 才敢拜月诉清 狂。
(2. 3̣ 2̣ 1̣ 6̣.)
烛火晕湿半生 的跌 宕, 一念灵犀未敢 忘。

0 5̣ 6̣ 1̣ 6̣ 1̣ 3̣ | 3̣ 2̣. 0 0 | 0 2̣ 3̣ 5̣ 3̣ 2̣ 1̣ | 2̣ 3̣ 3 - 0 |
酿一口江湖绵 长, 旧时的酒窖还 沉着香,
露沾桂花轻摇 晃, 草木无心未知 我情长,

0 2̣ 3̣ 5̣ 6̣ 2̣ 1̣ | 2̣. 3̣ 2̣ 1̣ 6̣. | 0 2̣ 3̣ 5̣ 3̣ 2̣ 1̣ | 1̣ 1̣. 0 0 |
共醉人间且邀 三万 场, 偏偏人潮中回 望。
荷灯载满相思 去流 浪, 却盼何人能共
^{1.}
(0 2̣. 3̣ -

3̣ - - 2̣3̣6̣5̣ | 2̣ - - 3̣ | 6̣ - 5̣ - | 2̣ - 3̣ - | 3̣ - 2̣3̣5̣ | 1 - 2 - |

6̣) 5̣ 6̣ 1̣ 6̣ 1̣ 3̣ :|| ^{2.} 1 - - 0 | 0 0 3 5 | 6 - 6 7 |
(女)不与岁月话短 赏。 (女)推开 窗, 心思
0 1 6 5 6 0 1 |
(男)推一扇窗, 窗

6 5 3 2 | 3 - 5 6 | 3 - 2 1 | 6 3 3 - |
如 水流淌, 漂 向远 方, 漫 长 的 时 光,
6 5 6 6 6 | 0 1 5 3 5 0 5 | 5 3 4 3 2 1 | 0 5 5 5 3 3 2 2 |
外月光流淌, 漂向何方 秋 水何其 漫长, 时光茫茫入梦乡,

3 - 0 5 | 6 3 3 - | 3 - 3 5 | 6 - 6 7 |
 躺在梦乡， 在心上， 不曾
 05 5 5 6 32 2 | 05 5 533 3 2 21 | 67 1 3 5 | 01 6 5 6 01 |
 留下心事独 躺， 此生愿得一人偿 常 伴在心 痴又何妨， 不

6 5 3 2 | 3 - 5 6 | 3 - 2 1 | 6 3 3 - |
 停 止回想， 你 的模 样， 天 涯 只 徬 徨
 6 5 6 6 6 | 01 5 3 5 05 | 5 3 3 2 1 | 6 3 3 - |
 敢 停 止 回 想， 直 怕 某 天 你 已 不 在 天 涯， 只 徬 徨

3 - 2 5 | 6 - - - | 6 ^{转 1=E} (56 16 13 | 2) 5 6 1 6 1 3 | 2 - - 0 |
 (合)你身 旁。 (合)飞星坠落你肩 膀，

0 2 3 5 3 2 1 | 2 3 3 - - | 2. 3 21 6. | 0 2 3 5 3 2 1 | 1 - - - |
 余生共守愿年 岁无恙， 情 深 不 枉， 隔 千 里 犹 在 心 上。

0 5 6 1 6 1 3 | 22 2 - - | 0 2 3 5 3 2 1 | 2 3 3 - - |
 月 色 怎 如 你 目 光， 穿 过 岁 月 再 与 你 相 望，
 0 0 0 0 | 0 5 6 i 6 i 3 | 22 2 - 0 | 0 5 6 i 6 i 2 |
 月 色 怎 如 你 目 光， 穿 过 岁 月 再 与

0 2 3 5 6 2 1 | 2. 32 1 6. | 0 2 3 5 3 2 1 | 11 1 - - |
 只 待 金 风 玉 露 梦 一 场， 佳 期 入 梦 人 同 往，
 2 i i - 0 | 2. 32 i 6. | 0 5 6 i 6 i 2 | i i i - - |
 你 想 望， 梦 一 场， 佳 期 入 梦 人 同 往，

0 2 3 5 6 321 | 2 0 3 21 6. | 0 2 3 5 3 2 | 3 - - - ||
 只 待 金 风 玉 露 梦 一 场， 却 惹 人 间 难 忘。
 0 0 0 0 | 0 5 6 i 6 i 3 | 22 2 - 2 | i - - - ||
 金 风 玉 露 梦 一 场， 难 忘。